



258604 - पति की पोर्नोग्राफी की लत का इलाज

प्रश्न

मैं एक ऐसी महिला हूँ जिसकी शादी को डेढ़ महीने हो चुके हैं। मुझे पता चला कि मेरे पति अश्लील तस्वीरें और क्लिप (पोर्नोग्राफी) देखते हैं। मुझे बेहद अफ़सोस और दिल में बहुत तकलीफ़ (जलन) महसूस हुई, और मेरा जीवन खुशी से दुख में बदल गया। मैं अपने पति से प्यार करती हूँ, लेकिन मैं इस स्थिति को कदापि स्वीकार नहीं कर सकती। मैं उनके साथ विदेश में रहती हूँ। मुझे उम्मीद थी कि वह मेरे लिए एक आदर्श पति होंगे। मैं इस बात से इनकार नहीं करती कि वह मेरे साथ अच्छा व्यवहार करते हैं, लेकिन इस मामले का पता चलने के बाद मेरी मानसिकता बिगड़ गई है। मैं हमेशा रोती रहती हूँ और मैं अपनी मूल व्यक्तित्व के विपरीत (अब) हमेशा चुप रहती हूँ। मैंने एक मनोविशेषज्ञ के पास जाने के बारे में सोचा, ताकि वह मेरी समस्या को हल करने में मेरी मदद करे। लेकिन, क्योंकि मैं विदेश में रहती हूँ और यहाँ मेरा कोई जानने वाला नहीं है, इसलिए मेरे लिए अपने पति को बताए बिना जाना मुश्किल है; क्योंकि मैं नहीं चाहती कि उन्हें पता चले कि मैं एक विशेषज्ञ डॉक्टर की मदद ले रही हूँ। उन्होंने मुझे यह भी बताया है कि वह धूम्रपान करते हैं, इसके बारे में मुझे मेरी शादी से पहले और शादी के कुछ समय बाद तक भी नहीं पता था। मैं अक्सर यह सोचने लगी हूँ कि वह मेरे साथ अंतरंगता का आनंद नहीं ले रहे हैं, या वह मेरे साथ अपने जीवन से खुश नहीं हैं। मुझे आशा है कि आप मुझे यह जानने में मदद करेंगे कि मैं अपने पति के साथ कैसे व्यवहार करूँ। क्या उनके तीसरे लिंग की तस्वीरें और क्लिप देखने का मतलब यह है कि वह समलैंगिक हैं?

विस्तृत उत्तर

हर प्रकार की प्रशंसा और गुणगान केवल अल्लाह तआला के लिए योग्य है।

हमारे समय में उम्मत के बहुत-से युवा अश्लील दृश्यों (पोर्नोग्राफी) को देखने की लत से ग्रस्त हैं। क्योंकि इंटरनेट पर उपलब्ध अश्लील वेबसाइटों के माध्यम से उन तक पहुँचना बहुत आसान है। इस प्रकार का लत एक व्यक्ति को अपनी पत्नी के रूप में वास्तविक हलाल अंतरंगता पर संतोष करने से रोकती है। क्योंकि वह आभासी (वर्चुअल) हराम का आदी हो जाता है और अपनी इच्छा और वासना के पीछे लगा रहता है।

यह मुद्दा केवल उसके आपके साथ खुश होने और आपके साथ अंतरंगता का आनंद लेने से संबंधित नहीं है। बल्कि इसका संबंध उसके आपके अलावा हराम चीज़ों को देखने की उसकी लत से है, खासकर जब उसने आपके साथ अपनी शादी के पहले महीने ही में ऐसा किया है।



यह लत एक बीमारी है, जिसके इलाज की ज़रूरत है।

लत (व्यसन) के सबसे बड़े लाभकारी उपचारों में से लत के स्रोत से स्वैच्छिक रूप से या जबरन दूर और अलग होना है ; साथ ही अपने समय को ऐसी चीज़ों में व्यतीत करना जो दुनिया और आखिरत में उपयोगी हों। तथा यदि आवश्यक हो, तो एक मनोचिकित्सक के पास जाना जो दवा और भाषण उपचार के साथ हस्तक्षेप कर सकता है।

इस लत से छुटकारा पाने में उसकी मदद करने के लिए आपको प्रयास करने की आवश्यकता है, वह इस प्रकार कि उसे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों से विचलित करने की कोशिश करें, जो उसके लिए इस दरवाज़े को खोलते हैं, तथा उससे उन अध्ययनों (अनुसंधान) के बारे में बात करें जो इन उपकरणों की लत के खतरे की चेतावनी देते हैं। इसी तरह आप उसके समय को दुनिया और धर्म के सभी उपयोगी मामलों में बिताने की कोशिश करें और सर्व संसार के पालनहार की आज्ञाकारिता का काम करने में उसकी मदद करें।

यदि आप उसकी ओर से अनिच्छा या उपेक्षा का अनुभव करती हैं, तो आप उसे इन उपकरणों की लत या उसके परिणामस्वरूप होने वाली चिंता के लक्षणों से छुटकारा पाने के प्रयास के तौर पर, मनोचिकित्सक के पास जाने का सुझाव दे सकती हैं।

हम यह भी सलाह देते हैं कि आपको एक ऐसे मनोवैज्ञानिक परामर्शदाता महिला से संपर्क करना चाहिए जो अमानतदार और धार्मिक हो, भले ही वह इंटरनेट के माध्यम से (ऑनलाइन) सही, ताकि आपको सामान्य रूप से जीवन के मामलों में और विशेष रूप से वैवाहिक संबंधों में उसके साथ आपके व्यवहार के विवरण के बारे में सलाह दे।

ज्ञात रहे कि अपने वैवाहिक संबंधों के विवरण के बारे में अपने पिता के अलावा किसी भी अन्य पुरुष के साथ बात करना जायज़ नहीं है, चाहे वह मनोचिकित्सक हो या कोई और, क्योंकि इससे फ़ितने (प्रलोभन) के दरवाज़े खुलते हैं या निषिद्ध मोह (लगाव) में पड़ने का खतरा होता है।

लेकिन यहाँ संक्षेप में आपका कार्य यह है कि : आप उसे अपने साथ व्यस्त रखकर दूसरों से विचलित (दूर) कर दें, तथा उसे हलाल से संतुष्ट करके हराम की तलाश से विमुख कर दें। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भरसक प्रयास करें और इस महत्वपूर्ण मामले के संबंध में अल्लाह रब्बुल-आलमीन के पास प्रतिफल की आशा रखें।

जहाँ तक उसके तीसरे लिंग की क्लिप देखने का संबंध है - अल्लाह हमारा और उसका मार्गदर्शन करे -, तो यह एक विकृत (असामान्य) व्यवहार है, जिसमें असामान्य (विकृत) चीज़ों का आनंद लेना शामिल है। लेकिन इसका आवश्यक मतलब यह नहीं है कि वह व्यक्ति स्वयं समलैंगिक है। क्योंकि एक समलैंगिक पुरुष आमतौर पर महिला रूपों को देखने का आनंद नहीं लेता है ; बल्कि ठीक इसके विपरीत होता है।



हम अल्लाह से प्रार्थना करते हैं कि हमें और उसे मार्गदर्शन प्रदान करे। निःसंदेह वह इसका प्रदाता और ऐसा करने में सक्षम है।

और अल्लाह तआला ही सबसे अधिक ज्ञान रखता है।